कृषि क्षेत्र में आय में गिरावट

1880 **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1968-70 को आधारभूत मानते हुए कृषि उत्पादन का सूचकांक जो 111.5 था, वह 1983-84 में 156.4 तक हो गया था और यह सूचकांक 1988-89 में और भी बढ़ा है,

(ख) यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष में उक्त सूचकांक के किस स्तर तक जाने की संभावना है,

(ग) क्या यह सच है कि वर्ष 1970-71 के आधार पर उक्त अवधि के दौरान कृषकों की औसत आय 450.5 रुपए से घटकर 365 रुपए हो गयी है;

(घ) क्या 1988-89 में यह आय और भी घटी है, यदि हां, तो किस सीमा तक: और

(ङ) क्या सरकार कृषि क्षेत्र में लगे व्यक्तियों की आय में हो रही निरंतर गिरावट को दृष्टि में रखते हुए वर्तमान कृषि नीति में परिवर्तन करने का विचार रखती है?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव): (क) जी, हां।

(ख) 1969-70 को समाप्त हुए तीन वर्षों के आधार पर, 1988-89 के दौरान कृषि उत्पादन का सूचकांक 174 से 177 तक पहुंच जाने की आशा है।

(ग) और (घ) किसानों की आय में केवल फसल उत्पादन से होने वाली आय ही नहीं, बल्कि डेयरी, मुर्गी पालन, मजदूरी तथा अन्य गैर-खेतीहर कार्यों जैसे सहायक व्यवसायों से होने वाली आय भी शामिल है। इसलिए, पिछले वर्षों में किसानो की आय के बारे में कोई व्यापक आकडे उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन 1988-89 के दौरान, वर्षा और मौसम की स्थितिया अच्छी रहीं हैं और आशा है कि कृषि उत्पादन में पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

(ङ) सरकार की वर्तमान कृषि नीति निम्नलिखित को व्यवस्था के जरिए कृषि उत्पादन में वृद्धि करने तथा किसानों की आय बढाने को बनी हुई है:—

(1) वाजिब मूल्यों पर कृषि आदान और प्रौद्योगिकी

(2) कृषि वस्तुओं के लिए लाभप्रद न्यूनतम समर्थन/खरीद मूल्य,

(3) बिजली, सडकों, मंडियों आदि के रूप में बुनियादी तत्र का विकास, और

(4) कृषि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक धन लगाना।

कीटनाशियों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया जाना

1881. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्व के अग्रणी देशों ने फसलों को बीमारियों और कीड़े-मकोड़ों से बचाने के लिए प्रयोग की जाने वाली डी०डी०टी०, बी०एच०ई०, मेलाथियोन आदि कीटनाशियों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है;

(ख) यदि हां, तो उसके कारण हैं, और

(ग) देश में इन कीटनाशियों के प्रयोग पर अभी तक प्रतिबंध न लगाए जाने के क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव): (क) विश्व के कुछ विकसित देशों ने डी०डी०टी० और बी०एच०सी० जैसी कुछ कीटनाशी दवाइयों के प्रयोग पर रोक या प्रतिबंध लगा दिए हैं।

(ख) अन्य देशों में इन कीटनाशी दवाइयों पर रोक लगाने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं:—

(1) विषाक्तता तथा स्वास्थ्य के लिए खतरे,

(2) सुरक्षित जैव अवक्रमक लेकिन मंहगी कीटनाशी दवाइयों की उपलब्धता,